पीपुल्स समाचार, भोपाल
20 AUG 2012

अग्रणी मध्यप्रदेश...

विकास का अर्थ है संपूर्ण सामाजिक जीवन स्तर में सुधार हो। मध्यप्रदेश में यह हर स्तर पर संभव हुआ है। औद्योगिक विकास दर हो या बालिकाओं की शिक्षा, मप्र ने नए आयाम हासिल किए हैं।

भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों के गठबंधन से बनी राज्य सरकारों का एक दिवसीय सम्मेलन नई दिल्ली में समाप्त हो गया। इस सम्मेलन को राज्यों के विकास पर केंद्रित किया गया था और इस बहाने केंद्र सरकार के रवैये को भी रेखांकित किया गया। सम्मेलन में बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, पंजाब, गोवा और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भाग लिया था। सम्मेलन बहु उद्देशीय था। केंद्र सरकार को घेरने और आगामी चुनावी तैयारियों से पहले की मेल मिलाप वाली स्थिति थी। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में मुख्य रूप से राज्य सरकारों द्वारा किये जा रहे नवाचार, सुशासन, बेस्ट प्रेक्टिस, केंद्र सरकार में लंबित मामले, केंद्र सरकार द्वारा नीति निर्णय न लेने से पैदा हुई दिक्कतों और संविधान के संघात्मक ढ़ांचे के मुद्दे पर मुख्यमंत्रियों के बीच चर्चा हुई।

इस सम्मेलन में मध्यप्रदेश खास राज्य बन कर सामने आया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश के बीमारू राज्य के कलंक को धो दिया है। उनका प्रस्तुतिकरण एक तथ्य आधारित रिपोर्ट की तरह था, जिसको नकारा नहीं जा सकता था। इस बात को अन्य राज्यों ने स्वीकार भी किया। प्रदेश में हो रहे नवाचारों, योजनाओं और व्यावसायिक, औद्योगिक गतिविधियों के सुचारू संचालन ने मध्यप्रदेश को तेजी से विकास करने वाले प्रदेशों की कतार में ला दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्रियों को संबोधित करते हुए पूरे देश को बताया कि मध्यप्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। इसका सबूत है कि मध्यप्रदेश राष्ट्रीय औसत से अधिक विकास दर हासिल करने वाला राज्य है। प्रदेश ने 11वीं पंचवर्षीय योजना में 10.2 प्रतिशत की दर से सकल घरेलू उत्पाद दर हासिल की है। कृषि विकास दर 9 प्रतिशत तक रही। यह वास्तव में उल्लेखनीय है। सामाजिक मामलों में भी प्रदेश ने लोककल्याणकारी राज्य का कर्त्तव्य हासिल किया है। इसमें महिला सशक्तिकरण, जन स्वास्थ्य सेवाएं, सड़कों का फैलता जाल, बिजली उत्पादन में बढ़ोत्तरी, हर क्षेत्र में मध्यप्रदेश राष्ट्रीय औसत से आगे ही रहा। मध्यप्रदेश ने वित्तीय प्रबंधन में भी नए आयाम जोड़े हैं। राजस्व कर जो पिछले पांच साल में अन्य राज्यों से कम रहा करता था वह अब बढ़कर 8.42 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2005-06 से राज्य का बजट आय से ज्यादा ही रहा। इस सम्मेलन में महिला सशक्तिकरण, लाड़ली लक्ष्मी योजना, बेटी बचाओ अभियान, मुख्यमंत्री मजदूर सुरक्षा योजना, गैर संगठित श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना, बीमा योजना, अटल बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन, मुख्यमंत्री बाल हृदय रोग उपचार योजना, कृषि कैबिनेट का गठन और कृषि को लाभ का धंधा बनाने, पीपीपी माध्यम से सड़कों का विकास और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के बारे में विस्तार से मुख्यमंत्री ने बताया। विकास का अर्थ है मानवीय जीवन को नई ऊंचाइयां देना। मध्यप्रदेश इसमें अग्रणी है।

प्रदेश